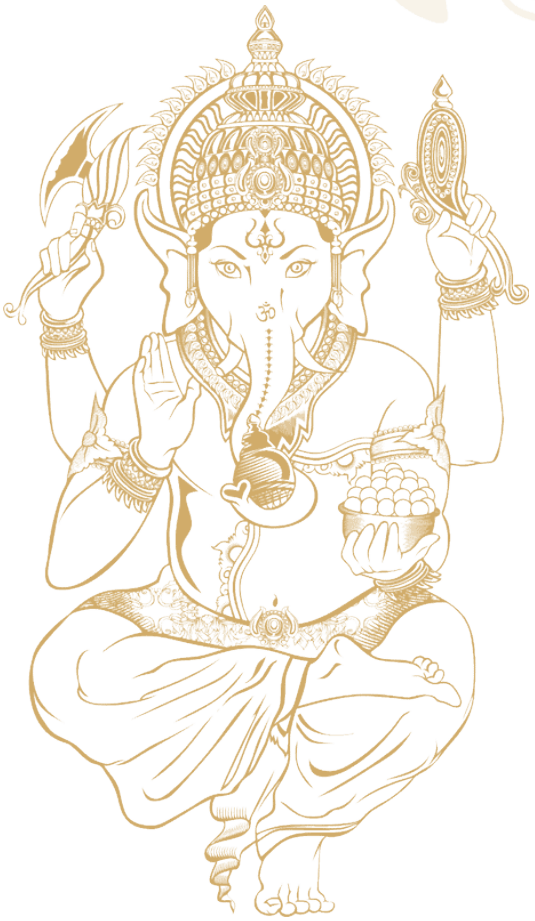

Nikhil

Shivani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121230108

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/06/1999	जन्म तिथि	02/03/2006
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:35:00	जन्म समय	09:05:00 घंटे
घटी 35:38:19	जन्म समय(घटी)	05:34:25 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Una
31:28:00 उत्तर	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व	रेखांश	76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:40	सूर्योदय	06:51:14
19:28:35	सूर्यास्त	18:23:05
23:50:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:35

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 8मा 20दि	27:45:47	वृश्चि	लग्न	मेष	04:47:52	बुध 16वर्ष 0मा 17दि
सूर्य	25:25:02	वृष	सूर्य	कुंभ	17:28:06	केतु
28/02/2021	10:03:14	मेष	चंद्र	मीन	17:24:45	20/03/2022
01/03/2027	00:51:35	तुला	मंगल	वृष	12:16:40	20/03/2029
सूर्य 18/06/2021	12:50:52	मिथु	बुध	मीन	02:56:32	केतु 16/08/2022
चन्द्र 17/12/2021	03:02:03	मेष	गुरु	तुला	24:54:29	शुक्र 16/10/2023
मंगल 24/04/2022	10:45:24	कर्क	शुक्र	मक	03:35:14	सूर्य 21/02/2024
राहु 19/03/2023	18:17:50	मेष	शनि व	कर्क	11:28:24	चन्द्र 21/09/2024
गुरु 05/01/2024	20:41:49	कर्क व	राहु	मीन	10:29:28	मंगल 17/02/2025
शनि 17/12/2024	20:41:49	मक व	केतु	कन्या	10:29:28	राहु 08/03/2026
बुध 24/10/2025	22:47:37	मक व	हर्ष	कुंभ	16:48:56	गुरु 12/02/2027
केतु 28/02/2026	10:12:51	मक व	नेप	मक	24:13:55	शनि 22/03/2028
शुक्र 01/03/2027	14:59:58	वृश्चि व	प्लूटो	धनु	02:36:23	बुध 20/03/2029

लग्न-चलित

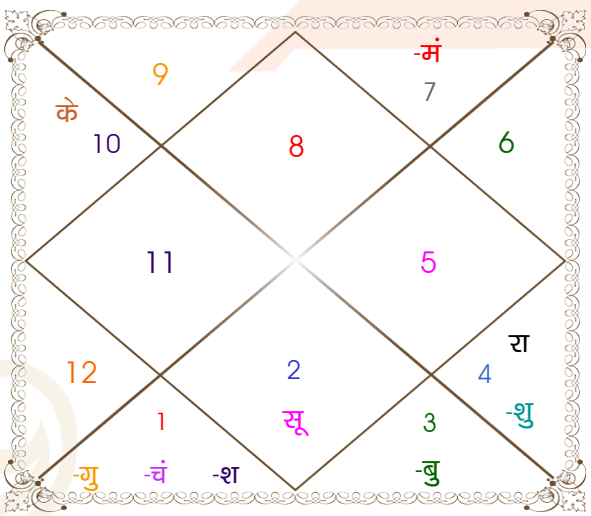

लग्न-चलित

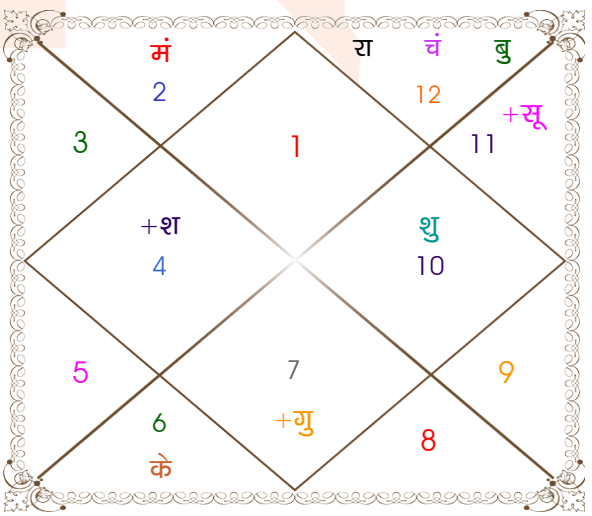

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

छपीपस का वर्ग मृग है तथा ौपअंदप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छपीपस और ौपअंदप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छपीपस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छपीपस कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौपअंदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ौपअंदप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

जाता है।

छपीपस तथौपअंदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com